एक नजर में

वर्ष-2026 की प्रथम नेशनल लोक अदालत का आयोजन 14 मार्च को

झाबुआ। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार अनुमोदित कैलेंडर अनुसार वर्ष-2026 की प्रथम नेशनल लोक अदालत का आयोजन 14 मार्च, शनिवार को किया जाएगा। उक्त नेशनल लोक अदालत का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झाबुआ विधि सक्सेना के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय झाबुआ सहित तहसील न्यायालय पेटलावद एवं थांदला में होगा। नेशनल लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित एवं प्री-लिटिगेशन स्तर के ऐसे प्रकरणों का निराकरण आपसी सुलह एवं समझौते के आधार पर किया जाएगा, जिनका सौहार्दपूर्ण समाधान संभव है। लोक अदालत के माध्यम से पक्षकार बिना किसी लंबी न्यायिक प्रक्रिया के, आपसी सहमति से अपने विवादों का शीघ्र एवं स्थायी समाधान प्राप्त कर सकते है। नेशनल लोक अदालत में मुख्य रूप से बैंक ऋण प्रकरण, विद्युत देयक प्रकरण, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, चेक बाउंस (धारा 138 एनआई एक्ट) के मामले, वैवाहिक, पारिवारिक विवाद, राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरण तथा अन्य सिविल प्रकृति के मामले सुलह-समझौते के आधार पर निराकृत किए जाएंगे। लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों के निराकरण की स्थिति में न्यायालय शुल्क की वापसी का भी प्रावधान है तथा पक्षकारों को त्वरित, सस्ता एवं प्रभावी न्याय प्राप्त होता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, झाबुआ द्वारा समस्त पक्षकारों, अधिवक्ताओं एवं आमजन से अपील की गई है कि वे अपने प्रकरणों का आपसी सुलह-समझौते के आधार पर निराकरण कराने हेतु अधिकाधिक संख्या में 14 मार्च को आयोजित नेशनल लोक अदालत में उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठाएं। अधिक जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झाबुआ, तहसील विधिक सेवा समिति पेटलावद एवं थांदला या नालसा टोल फ्री नंबर 15100 पर संपर्क कर सकते है। *

कमलाबाई जानी का निधन, दी भावभीनी श्रद्धांजलि

झाबुआ। श्री रामायण मंडल झाबुआ के आचार्य पं. दशरथनंदन जानी की माताजी एवं ब्राह्मण समाज की वरिष्ठ कमलाबाई जानी (94) का 11 मार्च, बुधवार अलसुबह करीब 6 बजे निधन हो गया। आप स्वभाव में सरल एवं मिलनसार होकर हमेशा धर्म-कर्म में लीन रहती थी। अंतिम यात्रा निवास स्थान चंद्रशेखर आजाद मार्ग पेटलावद से दोपहर 1.30 बजे निकालकर अंतिम संस्कार पम्पावती नदी के तट पर किया गया। जहां मुखाग्नि पुत्र दशरथ, सुनील एवं धर्मेंद्र जानी तथा पोत्र मयंक और मितांशु जानी ने दी। अंतिम यात्रा में समाजजन, गणमान्यजन, श्री रामायण मंडल के सदस्यगण आदि बड़ी संख्या में शामिल हुए।

कलेक्टर एवं दंडाधिकारी नीतू माथुर ने जारी किए प्रतिबंधात्मक आदेश

आलीराजपुर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी नीतू माथुर ने मानव जीवन की सुरक्षा, लोकशांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 (1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिला आलीराजपुर की सम्पूर्ण राजस्व सीमा में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए है। इस आदेश के तहत समस्त प्रकार के आयोजनों जैसे धरना, प्रदर्शन, आंदोलन, रैली, सभा, पुतला दहन, पदयात्रा, रथ यात्रा, आदि के आयोजन के लिए संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी से अनुमति प्राप्त किया जाना आवश्यक होगा। बिना अनुमति प्राप्त किये आयोजित होने वाले आयोजनों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जा सकेगी। साथ ही ऐसे आयोजित कार्यक्रमों में व्यवस्था एवं कानून व्यवस्था के दौरान होने वाली क्षति/क्षतियाँ की जिम्मेदारी भी आयोजकों की होगी। समक्ष प्राधिकारी की अनुमति प्राप्त होने के बाद आयोजकों और रैली धरने में भाषण देने वाले किसी प्रकार से आमजन को भड़काने या वैमनस्यता फैलाने वाली भाषा का प्रयोग नहीं करेंगे, आमजन को शस्त्र देने, बांटने या शासन के खिलाफ विद्रोह करने वाली भाषा का प्रयोग नहीं करेंगे, जिले में किसी समुदाय, संगठन, राजनीतिक दलों, समिति, प्रतिनिधि मंडल एवं आयोजन के दौरान किसी सार्वजनिक स्थल, शासकीय परिसर, शासकीय कार्यालय, भक्त आदि किसी सरकारी संपत्ति को कार्यक्रम के दौरान किसी भी प्रकार से क्षति पहुंचाई जाती कार्यक्रम के आयोजकों की जिम्मेदारी होगी तथा उनके विरुद्ध विधि सम्मत कार्यवाही की जा सकेगी। उक्त आदेश के उल्लंघन की दशा में संबंधित के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 एवं अन्य सुसंगत प्रावधानों के अनुसार कार्यवाही अभियोजित की जाएगी। उक?त आदेश आगामी 02 माह के लिए तत?काल प्रभावशील रहेगा ।

आलीराजपुर में दो दिवसीय जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेले का शुभारंभ

आलीराजपुर। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग एवं जिला प्रशासन के नेतृत?व में कृषि उपज मंडी आलीराजपुर में 11 एवं 12 मार्च को दो दिवसीय जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला सहित प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। मेले के पहले दिन विभिन्न विभागों द्वारा उन्नत खेती, मोटा अनाज , प्राकृतिक खेती तथा कृषि आदानों पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई । इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर ने कहा कि किसान किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ होते हैं। आलीराजपुर जिले में अधिकांश लोग खेती पर निर्भर हैं, इसलिए किसानों को खेती के साथ-साथ पशुपालन, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन तथा अन्य कृषि संबद्ध गतिविधियों को अपनाकर अपनी आय बढ़ानी चाहिए। उन्होंने कहा कि मेले में जिले के प्रगतिशील किसानों को भी आमंत्रित किया गया है, जिन्होंने नवाचार और उन्नत तकनीकों के माध्यम से खेती में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उनके अनुभव अन्य किसानों के लिए प्रेरणादायक होंगे। उन्होंने बताया कि जिले का चयन केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के लिए किया गया है, जिससे कृषि क्षेत्र को और अधिक लाभ मिलेगा। उन्होंने किसानों से मोटे अनाज (मिलेट्स) के उत्पादन को बढ़ाने तथा समूह के रूप में उत्पादन करने का आग्रह किया जिससे उनकी फसल का उचित मूल?य तो मिलेगा ही और उन्हें सामूहिक रूप से भी फायदा होगा । उन्होंने कहा कि मिलेट्स की बाजार में मांग और मूल्य दोनों अधिक हैं, इसलिए किसानों को इसे अपने दैनिक खान-पान में भी शामिल करना चाहिए और अधिक से अधिक उत्पादन भी करना चाहिए ।उन्होंने आगामी 19 मार्च से शुरू होने वाले जल गंगा संवर्धन अभियान की जानकारी देते हुए किसानों से खेत तालाब योजना, रिचार्ज पिट एवं वाटरशेड निर्माण जैसे कार्यों में भागीदारी की अपील की, ताकि भू-जल स्तर में वृद्धि हो सके। इस दौरान श्री जयपाल खरत ने कह कि मेले सह प्रदर्शनी में लगाई जानकारी से सीख लेकर सभी किसानों को लाभ लेकर आगे बढ़ना है ।संतुलित उर्वरक आज की कृषि की जरूरत है। किसान खेती के साथ खेती से संबद्ध व्यवसाय को भी अपनाए जैसे पशुपालन, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन,फलों-फूलों की खेती जिससे किसानों की आय में वृद्धि होगी और किसानों को केवल खेती पर ही निर्भर नहीं रहना होगा ।सभी किसानों से आग्रह है कि सभी किसान इस मेले का अधिक से अधिक लाभ ले।

श्री आदिनाथ भगवान के जयकारों से गूंजा शहर

निकाली गई भव्य रथ यात्रा, सकल श्री संघ द्वारा श्री आदिनाथ भगवान का जन्म एवं दीक्षा कल्याणक महोत्सव मनाया गया, बावन जिनालय में दिनभर हुए विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम

झाबुआ। श्री ऋषभदेव बावन जिनालय में जैन श्वेतांबर श्री संघ द्वारा बुधवार को मूलनायक श्री आदिनाथ भगवान का जन्म एवं दीक्षा कल्याणक महोत्सव धूमधाम से एवं हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। इसके साथ ही बावन जिनालय में सामूहिक वर्षीतप आराधना भी आरंभ हुई। सभी आयोजन आचार्य श्री विश्वरत्न सागर सूरीश्वरजी मसा आदि ठाणा-5 एवं साध्वी भगवंतों के सानिध्य में हुए। जानकारी देते हुए श्वेतांबर जैन श्री संघ मीडिया प्रभारी रिंकू रूनवाल ने बताया कि बावन जिनालय में प्रथम तीर्थंकर प्रभु श्री ऋषभदेव भगवान (आदिनाथ भगवान) का जन्म एवं दीक्षा कल्याणक महोत्सव तथा सामूहिक वर्षीतप आराधना का प्रारंभ सामूहिक पच्चक्खाण के साथ 11 मार्च, बुधवार को हुआ। इस अवसर पर सभी आयोजन आचार्य श्री विश्वरत्न सागर सूरीश्वरजी मसा आदि ठाणा-5 एवं पपू साध्वी रत्नरेखा श्रीजी मसा आदि ठाणा-3, पपू विदुषी साध्वी दिव्यदृष्टा श्रीजी मसा आदि ठाणा-03, पपू विदुषी साध्वी विद्वतगुणा श्रीजी मसा तथा पपू तपस्वी रत्ना दर्शनकला श्रीजी आदि ठाणा-8 की पावनकारी निश्रा में संपन्न हुए। इस अवसर पर सुबह 6.30 बजे मूलनायक श्री आदिनाथ भगवान का शक्रस्तव अभिषेक एवं केसर पूजन का आयोजन हुआ। 7 बजे से श्री आदिनाथ पंच कल्याणक पूजन का आयोजन किया गया। यह पूजन श्री आदिनाथ राजेंद्र जयंत जैन संगीत मंडल द्वारा पढ़ाई गई। पूजन की विधि विधिकारक ओएल जैन ने संपन्न करवाई। 8 बजे से बावन जिनालय उपाश्रय में सामूहिक वर्षीतप पच्चक्खाण की क्रिया आरंभ हुई। 9 बजे से मंदिर से श्री आदिनाथ भगवान की भव्य रथ यात्रा निकाली गई। रथ यात्रा में आगे बैंड-बाजों के साथ आचार्यश्री एवं साध्वी भगवन्तों द्वारा चलने के साथ पुरुष वर्ग बड़ी संख्या में शामिल हुआ। इसके पीछे श्री आदिनाथ भगवान के चित्र के सम्मुख समाजजनों द्वारा जगह-जगह गहूली की गई। विशेष रथ पर आदिनाथ भगवान की प्रतिमा को विराजमान कर युवाओं द्वारा रथ को खींचकर चला गया ।

दोपहर करीब 11 बजे से आचार्यश्री एवं साध्वी भगवंत द्वारा प्रवचन में श्री आदिनाथ भगवान के जन्म एवं दीक्षा का विस्तार से वर्णन किया गया। प्रभु के जन्मोत्सव वाचन के दौरान समाज के श्रावक-श्राविका इंद्र-इंद्राणी बनकर शामिल हुए। धर्मसभा का संचालन श्री संघ अध्यक्ष संजय मेहता द्वारा किया गया। दोपहर 12.30 बजे से समाज की धर्मशाला में साधर्मी वात्सल्य का आयोजन रखा गया। रात्रि 8 बजे से मंदिर में संगीतमय प्रभु भक्ति, दीप सज्जा और भगवान की आरती की गई।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत जेंडर आधारित हिंसा पर जागरूकता कार्यशाला का किया आयोजन

आलीराजपुर । महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले में लैंगिक हिंसा को कम करने तथा लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत विभिन्न महाविद्यालयों में जेंडर फोरम का गठन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य युवाओं में लैंगिक हिंसा एवं लैंगिक समानता के प्रति जागरूकता और समझ विकसित करना है।

इसी क्रम में बुधवार को माँ नर्मदा शासकीय महाविद्यालय, सोंडवा में जेंडर फोरम के सदस्यों के साथ प्रशिक्षण सह संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य प्रो. राजेश बारिया के उद्बोधन से हुई। उन्होंने विद्यार्थियों को समाज में समानता और सम्मान की भावना को बढ़ावा देने का संदेश दिया। इसके पश्चात जिला समन्वयक श्री सुरेश वास्कले ने जेंडर और सामाजिक मानदंड विषय पर विस्तार से जानकारी दी तथा युवाओं को लैंगिक संवेदनशीलता के महत्व के बारे में बताया। इस अवसर पर प्रो. तबस्सुम कुरैशी ने बालिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि अपने सपनों को पूरा करने के लिए उन्हें आत्मविश्वासी और मजबूत बनाना होगा ।कार्यक्रम का संचालन डॉ. पद्मा आर्य द्वारा किया गया, जबकि अंत में डॉ. महेंद्र रंधावा ने आभार व्यक्त किया ।कार्यक्रम में शाखा प्रभारी श्री कैलाश डूडवे, महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रतिनिधि, महाविद्यालय का स्टाफ तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

राज्यपाल मंगूभाई पटेल आज झाबुआ प्रवास पर रहेंगे

सिकल सेल एनीमिया जागरूकता एवं कृषि उपकरण तथा बीज वितरण कार्यक्रम में होंगे शामिल

झाबुआ। मप्र के राज्यपाल मंगूभाई छगनभाई पटेल 12 मार्च, गुरुवार को जिले के प्रवास पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रमानुसार राज्यपाल मंगूभाई पटेल दोपहर करीब 2.10 बजे हेलीकॉप्टर द्वारा गोपालपुरा एयरस्ट्रिप झाबुआ पहुंचेंगे। इसके पश्चात् वे कृषि विज्ञान केंद्र झाबुआ पहुंचकर आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे।

राज्यपाल पटेल अनुसूचित जनजाति उप-योजना अंतर्गत राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया जागरूकता कार्यक्रम एवं कृषि उपकरण तथा बीज वितरण कार्यक्रम में शामिल होंगे ।कार्यक्रम का उद्देश्य विशेष रूप से जनजातीय समुदाय में सिकल सेल एनीमिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा इसके समय पर परीक्षण और उपचार के लिए प्रेरित करना है। इस अवसर पर राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर के तारतम्य में किसानों को कृषि उपकरण एवं बीज का वितरण भी किया जाएगा। कार्यक्रम के उपरांत राज्यपाल श्री पटेल दोपहर लगभग 3.45 बजे कृषि विज्ञान केंद्र से प्रस्थान कर गोपालपुरा एयरस्ट्रिप पहुंचेंगे तथा वहां से हेलीकॉप्टर द्वारा इंदौर के लिए रवाना होंगे। राज्यपाल मंगूभाई पटेल के प्रस्तावित झाबुआ दौरे को दृष्टिगत रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

इसी क्रम में कलेक्टर नेहा मीना ने 11 मार्च, बुधवार को कृषि विज्ञान केंद्र परिसर स्थित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

***समस्त व्यवस्थाएं चाक-चौबंद करने के दिए निर्देश -कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम में आने वाले नागरिकों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए तथा परिसर में साफ-सफाई, पर्याप्त बैठक व्यवस्था, पेयजल एवं यातायात प्रबंधन सुचारू रूप से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन समन्वय के साथ करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करे। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जितेन्द्र सिंह चौहान, अपर कलेक्टर सीएस सोलंकी, सहायक कलेक्टर आशीष कुमार, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ महेश मंडलोई सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।**

कलेक्टर की अध्यक्षता में वन एवं राजस्व विभाग की संयुक्त बैठक संपन्न

आलीराजपुर. कलेक्टर नीतू माथुर की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में वन विभाग एवं राजस्व विभाग की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में वन एवं राजस्व विभाग के संयुक्त सीमांकन, वन व्यपवर्तन प्रकरण, वन अधिकार पत्र, वन व्यवस्थापन की कार्यवाही, कट्ठीवाड़ा एवं मथवाड में ईको पर्यटन, लघु वनोपज महुआ अंतर्राज्यीय बैरियर, परिक्षेत्र कट्ठीवाड़ा में बाघ के विचरण, रेशम उद्योग तथा वन धन विकास केंद्र में प्रशिक्षण सहित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई और आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती संघमित्रा गौतम, डीएफओ श्री अमित निकम, संयुक्त कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री मनोज गरवाल, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग, महाप्रबंधक उद्योग विभाग, सहित वन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर ने रेशम उद्योग को बढ़ावा देने के लिए आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों को इसमें शामिल करने के निर्देश दिए, ताकि स्थानीय लोगों को रोजगार के अधिक अवसर मिल सकें। साथ ही जिले में ईको पर्यटन को बढ़ावा देने,ईको पर्यटन स्थलों पर नवाचार करते हुए उन्हें अधिक आकर्षक बनाने के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर उसके प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय और सहयोग से कार्य करें तथा जनकल्याण को ध्यान में रखते हुए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को अधिकतम लाभ मिल सके।

कलेक्टर ने गैस एजेंसी प्रतिनिधि मंडल से सिलेंडर वितरण व्यवस्था की समीक्षा की

आलीराजपुर। कलेक्टर नीतू माथुर की अध्यक्षता में बुधवार को गैस वितरक एजेंसियों के प्रतिनिधियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में गैस सिलेण्डरों के वितरण, जमाखोरी और कालाबाजारी पर रोक लगाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में गैस एजेंसी द्वारा बताया कि जिले में पर्याप्त स्टॉक है इसलिए सभी उपभोक्ता शासन के नियमा अनुसार ही गेस सिलेंडर की बुकिंग करा कर सिलेंडर प्राप्त करे साथ ही बताया कि व्यवसायिक सिलेण्डरों के वितरण को लेकर भी सरकार के नियमों के अनुसार व्यवस्था लागू की गई है। गैस वितरण कंपनियों द्वारा उपभोक्ताओं को ऑनलाइन बुकिंग के अनुसार शासन के नियम अनुसार नियमित रूप से सिलेण्डर उपलब्ध कराए जा रहे हैं और इस पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगाया गया है।

बैठक में कलेक्टर नीतू माथुर ने निर्देश दिए कि शासन की गाइड लाइन अनुसार उपभोक्ता को गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए। किसी भी प्रकार की कालाबाजारी की स्थिति निर्मित ना हो,न ही कोई पैनिक की स्थिति निर्मित हो। बैठक में संबंधित अधिकारियों को गैस वितरण व्यवस्था की सतत निगरानी रखने तथा जमाखोरी और कालाबाजारी की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने नागरिकों से अपील की कि गैस सिलेण्डर वितरण को लेकर किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें ।इस दौरान डिप्टी कलेक्टर सुश्री दीपिका पाटीदार, फूड इंस्पेक्टर सहित जिले के समस्त गैस एजेंसी प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एक नजर में

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत रामा में भव्य सामूहिक विवाह समारोह आयोजित

176 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे, मंत्री निर्मला भूरिया ने दंपतियों को दिया आशीर्वाद

झाबुआ। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत जनपद पंचायत रामा में भव्य सामूहिक कन्या विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मप्र शासन की महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुई और नवविवाहित दंपतियों को आशीर्वाद देकर उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की।

इस अवसर पर आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में कुल 176 जोड़े विवाह बंधन में बंधे, जिनमें रामा क्षेत्र के 84 जोड़े एवं रानापुर क्षेत्र के 92 जोड़े शामिल रहे। पूरे कार्यक्रम का आयोजन

पारंपरिक रीति-रिवाजों एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जहां नव-दंपतियों और उनके परिजनों में विशेष उत्साह देखा गया। विवाह विधि-विधान से गायत्री परिजनों द्वारा संपन्न करवाया गया। इस शुभ अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना प्रदेश सरकार की एक महत्वपूर्ण जन-कल्याणकारी योजना है, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से जरूरतमंद परिवारों की बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक संपन्न कराना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रहीं है और विशेष रूप से गरीब परिवारों की बेटियों के भविष्य को सुरक्षित और सम्मानजनक बनाने के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। मंत्री भूरिया ने आगे कहा कि सामूहिक विवाह कार्यक्रम केवल एक सामाजिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह समाज में सहयोग, समानता और सहभागिता की भावना को भी मजबूत करता है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह सरकार की महत्वपूर्ण योजना

जिलाध्यक्ष भानू भूरिया ने कहा कि प्रदेश सरकार गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रहीं है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे गरीब परिवारों को बड़ी राहत मिल रहीं है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जितेन्द्रसिंह चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना सामाजिक समरसता और सहयोग की भावना को मजबूत करने वाली योजना है। इस योजना के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक सहायता मिलने के साथ ही बेटियों का विवाह सामाजिक गरिमा के साथ संपन्न हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशासन का प्रयास है कि पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समय पर और पारदर्शिता के साथ मिले। कार्यक्रम के दौरान नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया गया .